सन्धि

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सन्धि की परिभाषा और प्रकार

प्रश्न 1 (आसान). सन्धि का अर्थ क्या है?

उत्तर – वर्ण-विकार (वर्णों में परिवर्तन) होना।

प्रश्न 2 (आसान). सन्धि के मुख्य भेद कितने हैं और कौन-कौन से हैं?

उत्तर – तीन–(1) स्वर-सन्धि (2) व्यंजन-सन्धि (3) विसर्ग-सन्धि।

प्रश्न 3 (मध्यम). यदि 'ः' (विसर्ग) किसी शब्द के अंत में हो और अगला स्वर/वर्ण आए, तो सन्धि किस प्रकार की होगी?

उत्तर – विसर्ग-सन्धि।

प्रश्न 4 (कठिन). बताइए–'दो पदों के बीच जो परिवर्तन होता है, उसे सन्धि क्यों कहते हैं?'

उत्तर – क्योंकि पदों के पास आने पर वर्णों के बीच व्याघात/समीपता से वर्णों का रूप बदलता है, वही 'वर्ण-विकार' सन्धि है।

» स्वर-सन्धि: दीर्घ सन्धि (अक: सवर्णे दीर्घ)

प्रश्न 5 (आसान). राम + आगमन: में दीर्घ स्वर-सन्धि लगाओ।

उत्तर – रामागमन:

प्रश्न 6 (आसान). नदी + ईश: में क्या बनेगा?

उत्तर – नदीश:

प्रश्न 7 (मध्यम). कपि + ईश: को सही रूप में लिखो।

उत्तर – कपीश:

प्रश्न 8 (कठिन). पितृ + ऋणम् में दीर्घ स्वर-सन्धि लगाओ।

उत्तर – पितॄणम्

» स्वर-सन्धि: गुण-सन्धि

प्रश्न 9 (आसान). अ/आ + इ/ई: "देव + ईश:" का सन्धि-रूप क्या होगा?

उत्तर – देवीश:

प्रश्न 10 (आसान). अ/आ + उ/ऊ: "सूर्य + उदय:" का सन्धि-रूप क्या होगा?

उत्तर – सूर्योदय:

प्रश्न 11 (मध्यम). अ/आ + ऋ/ॠ: "वर्षा + ऋतु:" का सन्धि-रूप क्या होगा?

उत्तर – वर्षर्तु:

प्रश्न 12 (कठिन). तीनों नियम पहचानकर जोड़ो: "महा + उत्सव:" का सन्धि-रूप लिखो। (अ/आ के बाद उ/ऊ)

उत्तर – महोत्सव:

» स्वर-सन्धि: वृद्धि-सन्धि

प्रश्न 13 (आसान). अ/आ + ए/ऐ = ?
उत्तर – ऐ

प्रश्न 14 (आसान). अ/आ + ओ/औ = ?
उत्तर – औ

प्रश्न 15 (मध्यम). विद्या + औचित्यं = ? (वृद्धि-सन्धि करके)
उत्तर – विद्यौचित्यं

प्रश्न 16 (मध्यम). जल + ओघः = ?
उत्तर – जलौघः

प्रश्न 17 (कठिन). देव + औदार्यम् = ? (सन्धि करके सही रूप लिखो)
उत्तर – देवौदार्यम्

» स्वर-सन्धि: यण्-सन्धि और अयादि-सन्धि

प्रश्न 18 (आसान). सन्धि करें: 'इति + आदि'
उत्तर – इत्यादि

प्रश्न 19 (आसान). सन्धि करें: 'भो + अनम्'
उत्तर – भवनम्

प्रश्न 20 (मध्यम). सन्धि करें: 'पितृ + आज्ञा'
उत्तर – पित्राज्ञा

प्रश्न 21 (कठिन). सन्धि करें: 'नौ + इकः'
उत्तर – नाविकः

» पूर्वरूप-सन्धि और प्रकृतिभाव (विशेष नियम/अपवाद)

प्रश्न 22 (आसान). ते + अपि को सही रूप में लिखो।
उत्तर – तेऽपि

प्रश्न 23 (आसान). हरे + अव को सही रूप में लिखो।
उत्तर – हरेऽव

प्रश्न 24 (मध्यम). गोपालो (गोपालः) + अहम् में क्या होगा? लिखो।
उत्तर – गोपालोऽहम्

प्रश्न 25 (कठिन). कवी + इच्छतः में सन्धि करके क्या बनाना है–'कवीच् इच्छतः' या 'कवी इच्छतः'?
उत्तर – 'कवी इच्छतः' (प्रकृतिभाव; सन्धि नहीं होगी)

» पररूप-सन्धि (वृद्धि-सन्धि का अपवाद)

प्रश्न 26 (आसान). अ + ए का पररूप-सन्धि में रूप क्या होगा?
उत्तर – ए

प्रश्न 27 (आसान). अ + ओ का पररूप-सन्धि में रूप क्या होगा?
उत्तर – ओ

प्रश्न 28 (मध्यम). उप + ओषति का सन्धि-विच्छेद/संयोजन करके सही शब्द लिखो।
उत्तर – उपोषति

प्रश्न 29 (कठिन). प्र + एजते में 'अ' के बाद 'ए' आ रहा है–तो अंतिम रूप क्या बनेगा?
उत्तर – प्रेजते

» व्यञ्जन-सन्धि: शचुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, चर्त्व

प्रश्न 30 (आसान). 'स/त' के योग से 'श/च' वाली दिशा में जो व्यञ्जन-परिवर्तन होता है, उसका नाम क्या है?
उत्तर – शचुत्व

प्रश्न 31 (आसान). 'स/त' के योग से 'ष/ट' वाली दिशा में जो परिवर्तन होता है, उसका नाम क्या है?
उत्तर – ष्टुत्व

प्रश्न 32 (मध्यम). 'झल्' स्थान पर जो बदलाव होता है, उसे किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – जश्त्व (झल् → जश्)

प्रश्न 33 (कठिन). अगर योग में शर्त 'कुछ वर्गों' वाली हो, तो किस अतिरिक्त परिवर्तन की बात आती है?
उत्तर – चर्त्व

» व्यञ्जन-सन्धि: अनुस्वार, परसवर्ण, लत्व, छत्व, च् का आगम, र् का लोप

प्रश्न 34 (आसान). हरिम् + वन्दे = ?
उत्तर – हरिं वन्दे

प्रश्न 35 (आसान). अहम् + गच्छामि = ?
उत्तर – अहं गच्छामि

प्रश्न 36 (मध्यम). अं + कितः = ?
उत्तर – अङ्कितः

प्रश्न 37 (मध्यम). तत् + लीनः = ?
उत्तर – तल्लीनः

प्रश्न 38 (मध्यम). उत् + लेखः = ?
उत्तर – उल्लेखः

प्रश्न 39 (कठिन). तरु + छायाया = ?
उत्तर – तरुच्छायाया

प्रश्न 40 (कठिन). निर् + रोगः = ?
उत्तर – नीरोगः

प्रश्न 41 (कठिन). तत् + श्रुत्वा = ?
उत्तर – तच्छ्रुत्वा

» व्यञ्जन-सन्धि: ण् (न् का णत्व)

प्रश्न 42 (आसान). "ऋषी + नाम्" का सन्धि-विच्छेद/सन्धि रूप लिखो: ऋषीणाम्–यह किस नियम से बनेगा?
उत्तर – व्यञ्जन-सन्धि: ण् (न् का णत्व) – ऋ/र्/ष् के बाद 'न्' → 'ण्'

प्रश्न 43 (आसान). "ऋषी + नाम्" = ?
उत्तर – ऋषीणाम्

प्रश्न 44 (मध्यम). सन्धि करो: "नरा + नाम्"
उत्तर – नराणाम्

प्रश्न 45 (मध्यम). सन्धि करते समय बताओ: "यदि ऋ/र्/ष् के पश्चात् 'न्' आए तो क्या होगा?"
उत्तर – 'न्' का 'ण्' हो जाता है।

प्रश्न 46 (कठिन). अगर ऋ/र्/ष् के बाद 'न्' के बीच 'अट्' के कोई वर्ण आ जाएँ, तो 'न्' का क्या परिवर्तन होगा?
उत्तर – अट् व्यवधान में भी 'न्' 'ण्' (िणत्व) होगा।

» विसर्ग-सन्धि: सत्व और षत्व

प्रश्न 47 (आसान). 'नम: + काार:' का सन्धिरूप क्या होगा?
उत्तर – नमस्काार:

प्रश्न 48 (आसान). 'पुर: + काार:' का सन्धिरूप क्या होगा?
उत्तर – पुरस्काार:

प्रश्न 49 (मध्यम). 'नि: + कपट:' का सन्धिरूप क्या होगा?
उत्तर – निष्कपट:

प्रश्न 50 (मध्यम). 'नि: + फल:' का सन्धिरूप क्या होगा?
उत्तर – निष्फल:

प्रश्न 51 (कठिन). 'नि: + कर्म' का सन्धिरूप क्या होगा? (कर्म में क आता है)
उत्तर – निष्कर्म

» विसर्ग-सन्धि: रुत्व/उत्व, पूर्वरूप, हशि; विसर्ग का र् में रूपान्तरण

प्रश्न 52 (आसान). स: + अवदत् का सन्धि-विच्छेद/रूप बताओ।
उत्तर – स: + अवदत् = सोऽवदत्

प्रश्न 53 (आसान). नृप: + अवदत् का सन्धि-रूप लिखो।
उत्तर – नृप: + अवदत् = नृपोऽवदत्

प्रश्न 54 (मध्यम). तप: + वनम् को (हशि च वाली शर्तें मानकर) सही रूप लिखो।
उत्तर – तप: + वनम् = तपोवनम्

प्रश्न 55 (कठिन). गुरु: + जयति को विसर्ग-सन्धि से जोड़कर रूप लिखो।
उत्तर – गुरु: + जयति = गुरुर्जयति

» अभ्यास कौशल: सन्धि बनाना, सन्धिविच्छेद, और प्रकृतिभाव/अपवाद पहचानना

प्रश्न 56 (आसान). "मत + ऐक्यम् = ?" विकल्पों में से सही सन्धिरूप लिखिए।
उत्तर – मतेक्यम्

प्रश्न 57 (आसान). "यदि + अपि = ?"
उत्तर – यद्यपि

प्रश्न 58 (मध्यम). सन्धिविच्छेद कीजिए: "यद्यपि" मूल पद।
उत्तर – यदि + अपि

प्रश्न 59 (मध्यम). सन्धिविच्छेद कीजिए: "सर्वेऽत्र" मूल पद।
उत्तर – सर्वे + अत्र

प्रश्न 60 (कठिन). "सर्वत्र वृक्षेऽपि कूर्दन्ति" वाक्य में स्थूलपदों के बीच सन्धि-विच्छेद लिखिए (दो पदों को अलग करके मूल रूप)।
उत्तर – सर्वत्र + वृक्षेऽपि : (यहाँ मुख्य रूप से "वृक्षेऽपि = वृक्षे + अपि" लिखा जाएगा)

प्रश्न 61 (कठिन). “नदी एते” के आगे /× लगाइए–क्या प्रकृति-भाव सन्धि होगी?

उत्तर –

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. ‘विद्या + आलयः’ में सन्धि का प्रकार बताइए।

› दो पद दिए हैं: ‘विद्या’ और ‘आलयः’।

› अंत में और शुरुआत में स्वर का मेल दिखता है–अर्थात् स्वर-संबंधी परिवर्तन होगा।

› दिया गया रूप है: ‘विद्यालयः’। यह स्वर वर्णों के पास आने से बना है।

› इसलिए यह ‘स्वर सन्धि’ के अंतर्गत आएगा।

उत्तर – ‘विद्या + आलयः = विद्यालयः’ – स्वर-सन्धि (अच्-सन्धि)।

उदाहरण 2. निम्नलिखित पदों में दीर्घ स्वर-सन्धि करके सही संयुक्त रूप बनाओ: विधि + आश्रमः

› पहले पद के अंत में स्वर देखो–'विधि' का अंत 'इ' (इ/ई-वर्ग) जैसा स्वर है।

› दूसरे पद 'आश्रमः' की शुरुआत में स्वर देखो–यहाँ 'आ' है (अ/आ-वर्ग)।

› अब नियम लागू करने के लिए देखो: क्या इ/ई-वर्ग के बाद फिर इ/ई (सवर्ण) आ रहा है? नहीं, क्योंकि बाद में अ/आ-वर्ग है।

› इसलिए यह 'अकः सवर्णे दीर्घः' नियम (जो दीर्घ बनाता है) यहाँ नहीं चलेगा; सन्धि का प्रकार अलग होगा।

उत्तर – यहाँ दीर्घ स्वर-सन्धि (अकः सवर्णे दीर्घः) लागू नहीं होगा क्योंकि इ-वर्ग (इ) के बाद अ-वर्ग (आ) आ रहा है। अतः इस प्रश्न का उत्तर इस नियम से निर्धारित नहीं होगा; सही सन्धि के लिए अगला नियम/प्रकार देखना होगा।

उदाहरण 3. अ/आ + उ/ऊ के नियम से “गंगा + उदकम्” का सन्धि-रूप लिखो।

› यहाँ पहला शब्द “गंगा” है, इसके अंत में ‘आ’ (अ/आ) है।

› दूसरे शब्द “उदकम्” के शुरू में ‘उ’ (उ/ऊ) है। इसलिए नियम लगेगा: अ/आ के बाद उ/ऊ ओ।

› अब ‘गंगा’ का ‘आ’ और ‘उद’ का ‘उ’–दोनों की जगह ‘ओ’ आता है।

› तो “गंगा + उदकम्” “गंगोदकम्” बनता है।

उत्तर – “गंगा + उदकम्” = “गंगोदकम्”

उदाहरण 4. अ/आ के बाद ओ/औ आने पर वृद्धि-सन्धि लगाकर रूप लिखो: “राम + औषधि” (उचित रूप में सन्धि करो)।

› पहले शब्द के अंत में ‘आ’ है: राम (...आ)

› दूसरे शब्द की शुरुआत में ‘औ’ है: औषधि (...औ...)

› नियम लगाओ: अ/आ + ओ/औ = औ

› तो “राम + औषधि” में ‘आ’ और ‘औ’ के स्थान पर ‘औ’ एक साथ हो जाएगा रामौषधि

उत्तर – रामौषधि

उदाहरण 5. सन्धि करें: 'प्रति + एकम्'

› यहाँ पहले शब्द का अंतिम वर्ण 'इ' है ('प्रत् + इ')।

› दूसरे शब्द का पहला वर्ण 'ए' है।

› क्योंकि 'इ' के बाद एक 'असमान स्वर' ('ए') आया है, इसलिए 'इ' का 'य्' बन जाएगा, ये 'यण्-सन्धि' का नियम है।

› अब जोड़ते हैं: 'प्रत्' + 'य्' + 'एकम्' = 'प्रत्येकम्'।

› ध्यान दो, 'त्' आधा था, 'य्' भी आधा था, लेकिन 'य्' के साथ 'ए' जुड़ गया तो वो 'ये' बन गया।

उत्तर – प्रत्येकम्

उदाहरण 6. निम्न पदों में सन्धि करें: (1) हरे + अव, (2) कवी + इच्छतः.

› (1) हरे + अव में 'हरे' के अंत में ए (ए) जैसा स्वर है और बाद में अ आता है। पूर्वरूप-सन्धि के अनुसार 'ए + अ' में 'ए' ही रहता है, विलीन 'अ' का संकेत अवग्रह (ऽ) से होगा।

› (1) इसलिए 'हरे + अव' 'हरेऽव' (उच्चारण में 'हरेव/हरेऽव' की तरह एक साथ, अलग 'अ' नहीं)।

› (2) कवी + इच्छतः में 'कवी' प्रगृह्य/ईकारान्त द्विवचन रूप के कारण प्रकृतिभाव लागू होगा। किताब के अनुसार 'पुतप्रगृह्या अचि नित्यम्'–प्लुत/प्रगृह्य के बाद अच् आने पर सन्धि नहीं होती।

› (2) इसलिए 'कवी + इच्छतः' 'कवी इच्छतः' (सन्धि करके 'कवीच्' नहीं बनाएंगे)।

उत्तर – हरे + अव हरेऽव; कवी + इच्छतः कवी इच्छतः (सन्धि नहीं होगी)।

उदाहरण 7. उपसर्ग 'उप' के बाद 'ओषति' आए, तो सन्धि करके सही रूप लिखो। (उप + ओषति)

› पहचानो: उपसर्ग 'उप' के अंत में 'अ' है (उप + … वाला 'अ' भाग)।

› अब देखो अगला शब्द 'ओषति' के आदि में 'ओ' है। यानी स्थिति 'अ + ओ' बन रही है।

› पररूप-सन्धि का नियम लगाओ: अ + ओ ओ।

› 'अ' का पररूप होकर 'ओ' में विलीन हो जाएगा, इसलिए जोड़ा हुआ रूप 'उपोषति' होगा।

उत्तर – उप + ओषति = उपोषति

उदाहरण 8. दिए गए संयोग में 'स/त' वर्ग के योग से होने वाला व्यञ्जन-सन्धि परिणाम चुनो: (i) स/त का श/च में रूप (ii) स/त का ष/ट में रूप (iii) 'झल्' स्थान पर जश् (iv) कुछ वर्गों में चर्त्व – सही नियम-नाम के साथ लिखो।

› सबसे पहले पहचानो कि योग में 'स/त' वर्ग का नियम लागू हो रहा है।

› अगर परिणाम 'श/च' दिशा में आता है, तो उसे शचुत्व मानो।

› अगर परिणाम 'ष/ट' दिशा में आता है, तो उसे ष्टुत्व मानो।

› अगर योग के बीच 'झल्' स्थान की शर्त पूरी होती है, तो 'झल्' के बदले 'जश्' (ज-श्) वाला रूप जश्त्व कहलाएगा।

› अगर वही योग 'कुछ वर्गों' वाली शर्तों में आता है, तो चर्त्व का परिवर्तन भी लागू होगा।

उत्तर – स/त का श/च में रूप शचुत्व; स/त का ष/ट में रूप ष्टुत्व; झल् जश् जश्त्व; कुछ वर्गों में अतिरिक्त/विशेष परिवर्तन चर्त्व।

उदाहरण 9. सन्धि कीजिए: (अं) + चितः

› यहाँ पहला भाग 'अं' (अनुस्वार सहित) है।

› नियम: 'अनुस्वार के बाद कोई वर्गीय व्यञ्जन आए' तो 'अनुस्वार' पंचमवर्ण में बदलता है।

› अंतिम वर्ण 'च्' है, जो च-वर्ग का व्यञ्जन है।

› च-वर्ग का पंचमवर्ण 'ञ' (ङ/ञ/ण/न्/म् में से 'ञ') होता है।

› इसलिए 'अं + चितः' 'अञ्चितः'।

उत्तर – अञ्चितः

उदाहरण 10. सन्धि करो: "नरा + नाम्"

› देखो पहला पद "नरा" के अंत में "र्" तत्त्व आता है (र् के बाद वाला संधि-केस)।

› दूसरे पद "नाम्" की शुरुआत में "न्" आता है।

› नियम लगाओ: ऋ/र्/ष् के पश्चात् 'न्' 'ण्'।

› तो "नरा + नाम्" "नराणाम्" बनता है।

उत्तर – नरा + नाम् = नराणाम्

उदाहरण 11. 'निः + फलः' का सन्धि-विच्छेद/सन्धिरूप लिखो।

› पूर्व वाले विसर्ग (:) से पहले वर्ण देखें–'निः' में 'इ' है।

› विसर्ग (:) के बाद वाला वर्ण देखें–'फलः' में 'फ' आता है।

› Rule 2 लागू करो: (इ/उ) के पहले और (क/ख/प/फ) के बाद हो तो ':' का 'ष्' हो जाता है।

› 'ष्' + 'फ' मिलकर 'ष्फ' बनता है, इसलिए 'निष्फलः' रूप बनेगा।

उत्तर – निः + फलः निष्फलः

उदाहरण 12. छात्रः + अयम् को सन्धि करके रूप लिखो (विसर्ग-सन्धि)।

› पहले देखें: 'छात्रः' के अंत में विसर्ग (:) है। विसर्ग से पहले 'अ' (ह्रस्व अ) है, क्योंकि 'छात्र' में प्रत्यय-स्वर रूप में 'अ' मिलता है।

› अब बाद में 'अयम्' है–यहाँ भी विसर्ग के बाद 'अ' (ह्रस्व अ) है। यानी शर्त 'अ + : + अ' वाली।

› नियम लागू: विसर्ग को 'रु' आदेश मिलता है। फिर 'रु' के स्थान पर 'उ' आदेश।

› अब 'अ + उ' का गुण होकर 'ओ' बनता है।

› फिर 'ओ + अ' की स्थिति में 'अवग्रह' (ऽ) लगाकर 'ओऽ' दिखाते हैं।

› अंतिम रूप लिखो: 'छात्रोऽयम्' जैसा सन्धि-रूप।

उत्तर – छात्रः + अयम् = छात्रोऽयम्

उदाहरण 13. "सर्वे + अत्र" का सन्धिरूप लिखिए और फिर उसका सन्धिविच्छेद कीजिए।

› दिए हैं: सर्वे + अत्र। अब जोड़ते समय 'सर्वे' के अंत में 'इ/ए' जैसा स्वर-स्थिति और 'अत्र' की शुरुआत 'अ' से है–यहाँ सामान्यतः रूप जुड़ता है, लेकिन विकल्पों में विशेष रूप भी मिलते हैं।

› किताब के उदाहरण-सेट में "सर्वे + अत्र = सर्वे अत्र / सर्वेऽत्र / सर्व अत्र" दिया है। सही निर्णय तब होता है जब संधि-नियम के तहत अवग्रह(ऽ) का प्रयोग बनता है।

› इस केस में 'सर्वे' के अंत में 'ए' और 'अत्र' के 'अ' के बीच संधि करते समय अवग्रह(ऽ) वाला रूप आता है–अर्थात् सही सन्धिरूप "सर्वेऽत्र"।

› अब सन्धिविच्छेद: "सर्वेऽत्र" को खोलो–यहाँ 'ऽ' संकेत करता है कि एक सीमा पर विसर्ग-जैसा उपचार किया गया था/विशेष संधि रूप है, इसलिए मूल पद होंगे "सर्वे + अत्र"।

उत्तर – सन्धिरूप: "सर्वेऽत्र" ; सन्धिविच्छेद: "सर्वे + अत्र"।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- NCERT/बोर्ड में 'सन्धि के तीन भेद' और परिभाषा पूछी जाती है–ये जरूर लिखो।
- दो पद जोड़कर आख़िरी-शुरुआत वाले स्वरों का वर्ग मिलाओ; फिर उसी के अनुसार दीर्घ बनाओ।
- गुण-सन्धि वाले तीन फॉर्म याद लिखकर अभ्यास करो–हर बोर्ड प्रश्न में सीधे वही पूछते हैं।
- बोर्ड में वृद्धि-सन्धि के 1-2 सवाल सीधे नियम लगाकर पूछे जाते हैं–ऐ/औ दोनों को मत मिलाओ।
- यण्-सन्धि और अयादि-सन्धि से बोर्ड परीक्षा में अक्सर 2-3 प्रश्न आते हैं, खासकर उदाहरणों के रूप में। 'इक् के स्थान पर यण्' और 'एचोऽयवायावः' इन दोनों नियमों को अच्छे से याद कर लेना।
- बोर्ड/टर्म में 'ऽ' और प्रकृतिभाव वाले अपवाद के लिखने पर ही अंक कटते/बनते हैं–फॉर्म सही लिखो।
- NCERT/board में "कसि शर्त पर कौन-सा व्यञ्जन-परिवर्तन" नाम सहित लिखना ज़रूरी होता है।
- पंचमवर्ण (ङ/ञ/ण/न्/म्) तय करने के लिए 'च्/ट्/त्/क्/प्' वाला वर्ग पहचानना ज़रूरी है।
- लिखते वक्त पहले "ऋ/र्/ष्" पहचानो, फिर 'न्' पर 'ण्' कर दो–यही प्रश्नों में सबसे ज्यादा आता है।
- Rule 2 में पहले 'इ/उ' और बाद में 'क/ख/प/फ' जरूर मैच कराओ; नमः/पुरः वाला special केस मत भूलना।
- रुत्व (:र्) और 'अ+ : +अ' को पहले अलग करके लिखो; फिर अवग्रह (ऽ) चेक करो।

• NCERT/बोर्ड में /× और सन्धिविच्छेद–दोनों में नियम-शर्त पहचानकर ही उत्तर दें।

एक नज़र में रिवीज़न

› सन्धि = वर्ण-विकार; प्रकार: स्वर, व्यंजन, विसर्ग।
› सवर्णे दीर्घ: अआ, इई, उऊ, ऋॠ
› अ/आ+इ/ई=ए, अ/आ+उ/ऊ=ओ, अ/आ+ऋ=अर्
› अ/आ के बाद ए/ऐऐ, ओ/औऔ
› यण्-सन्धि: इ/ईय्, उ/ऊव्, ऋर्, लृल्; अयादि-सन्धि: एअय्, ऐआय्, ओअव्, औआव्।
› - ए/ओ + अ ए/ओ, विलीन-अ की निशानी: ऽ; प्रगृह्य/प्लुत के बाद सन्धि नहीं।
› उपसर्ग-अ + ए/ओ 'अ' विलीन होकर ए/ओ
› स/त शचुत्व/ष्टुत्व, झल् जश्त्व, कुछ में चर्त्व
› - ंपंचम; त+लल; शछ; ह्रस्व+छच्; र्+रदीर्घ
› - ऋ/र्/ष् के बाद 'न्' 'ण्' (अट् व्यवधान में भी)
› - इ/उ + (क/ख/प/फ) ष्; नम:/पुर: + (क/ख/प/फ) स्
› - अ:+अ रु-उ-ओ; ओ+अ ऽ; हशि च र्उ; अन्यत्र :र्
› - पद जोड़ो = सन्धि; रूप खोलो = विच्छेद; अपवाद देखो।